

प्रेरणास्रोतः
नि.ली.पू.पा.गो.श्री १०८ श्री देवकीनन्दनजी
महाराजश्री (इन्दौर-नाथद्वारा)



संस्थापक, मार्गदर्शक एवं सर्वाध्यक्ष :
पू.पा.गो.श्री १०८ श्री दिव्येशकुमारजी
महाराजश्री(इन्दौर-नाथद्वारा)



पुष्टि प्रवेशिका

INDORE

मङ्गलाचरण

॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

॥ श्री गोपीजनवल्लभाय नमः ॥

॥ श्रीमदाचार्यचरण कमलेभ्यो नमः ॥

॥ श्री गुसांईजी परमदयालवे नमः ॥



चिन्तासन्तानहन्तारो यत्पादाम्बुजरेणवः ।
स्वीयानां तान्निजाचार्यान् प्रणमामि मुहुर्मुहुः ॥१॥

यदनुग्रहतोजन्तुः सर्वदुःखातिगोभवेत् ।
तमहं सर्वदा वन्दे श्रीमद् वल्लभनन्दनम् ॥२॥

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥३॥

नमामि हृदये शेषे लीलाक्षीराब्दिशायिनम् ।
लक्ष्मी सहस्रलीलाभिः सेव्यमानं कलानिधिम् ॥४॥

चतुर्भिश्च चतुर्भिश्च चतुर्भिश्च त्रिभिस्तथा ।
षडभिर्विराजते योऽसौ पञ्चधा हृदये मम ॥५॥

INDORE

श्री महाप्रभुजी का ध्यान

सौंदर्यं निजहृद्गतं प्रकटितं स्त्रीगूढभावात्मकं ।

पुंरूपञ्च पुनस्तदन्तरगतं प्रावीविशत् स्वप्रिये ।।

संश्लिष्टावुभयोर्बभौ रसमयः कृष्णो हि यत्साक्षिकम् ।

रूपं तल्लितयात्मकं परमभिध्येयं सदावल्लभम् ।।

INDORE

श्रीगोपीनाथजी का ध्यान



श्रीवल्लभ प्रतिनिधिं तेजोराशिं दयार्णवम् ।

गुणातीतं गुणानिधिं श्री गोपीनाथम् आश्रये ॥

INDORE

श्रीगुसांईजी का ध्यान



सायंकुञ्जालयस्थासनम् उपविलसत्स्वर्णपात्रं सुधौतम् ।
राजद्यज्ञोपवीतं परितनुवसनं गौरमम्भोजवक्त्रम् ॥
प्राणानायम्य नासापुटनिहितकरं कर्णराजद्विमुक्तम् ।
वन्देऽर्धोन्मीलिताक्षं मृगमदतिलकं विट्ठलेशं सुकेशम् ॥

INDORE

प्रातः स्मरण

श्री गोवर्धननाथपादयुगलं हैयंगवीनप्रियं
नित्यं श्रीमथुराधिपं सुखकरं श्रीविट्ठलेशंमुदा
श्रीमद् द्वारवतीशगोकुलपतिं श्रीगोकुलेन्दुंविभुं
श्रीमन्मन्मथमोहनं नटवरं श्रीबालकृष्णं भजेत् ॥

INDORE

श्रीमद्वल्लभविठ्ठलौ गिरिधरं गोविन्दरायाभिधं
श्रीमद् बालकृष्ण गोकुलपतिनाथं रघूणांस्तथा
एवं श्रीयदुनायकं किल घनश्यामं च तद्वंशजान्
कालिन्दीं स्वगुरुम् गिरिं गुरुविभुं स्वीयप्रभूंश्च स्मरेत् ॥

INDORE

दान एकादशी



दान एकादशी:

१. परिवर्तिनी एकादशी को पुष्टि सम्प्रदाय में दान एकादशी के नाम से जाना जाता है।

२. आज से दानलीला के कीर्तन श्री ठाकुरजी के सन्मुख गाये जाते है।



INDORE

दान एकादशी:

३. दान के दिनों में श्री ठाकुरजी को मुख्य रूप से दही का भोग धराया जाता है।

४. ब्रज में मुख्यरूप से सांखरीखोर, दानघाटी इत्यादि दानलीला के प्रमुख स्थल है।



INDORE

वामन द्वादशी



वामन द्वादशी:

१. भगवान विष्णु के दस अवतारों में से पांचवा अवतार वामन अवतार है।

२. श्री प्रभु ने आज के दिन वामन अर्थात् ब्राह्मण बालक के रूप में अवतार लिया था।



INDORE



वामन द्वादशी:

३. वामन भगवान ने राजा बलि के यज्ञ में पधारकर अपने 2 चरणों से सम्पूर्ण ब्रह्मांड को नापकर अपना तीसरा चरण राजा बलि की पीठ पर पधराया था।

४. पुष्टि सम्प्रदाय में मान्य चार जयंतियों में से एक वामन जयंती भी है।

५. आज के दिन श्री ठाकुरजी के पंचामृत स्नान होते हैं।



INDORE

USHTI VIDEO



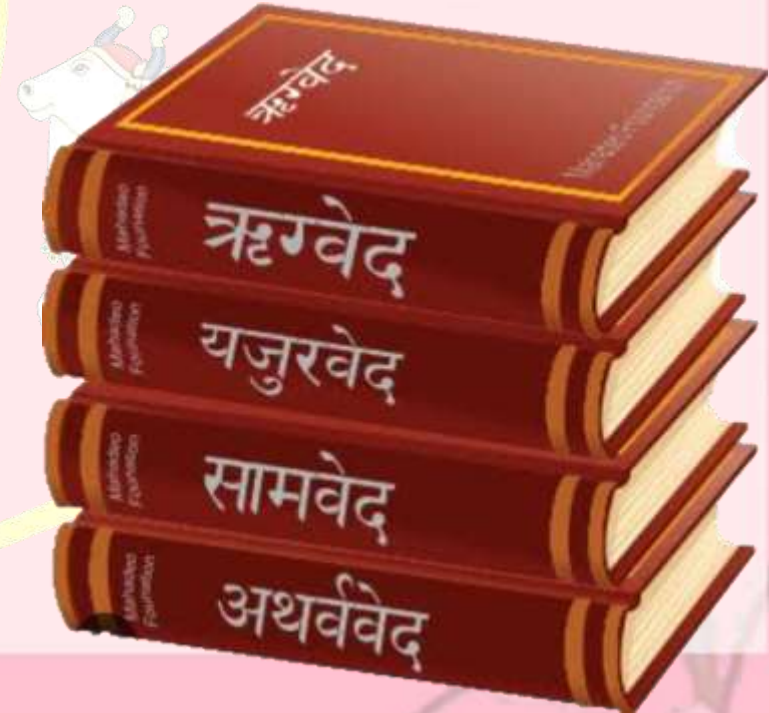
INDORE

- वेद भारत में सबसे प्राचीन धर्मग्रंथ हैं ।
- वेद साक्षात् ईश्वर की वाणी है।
- वेदों की समस्त मान्यताएँ एवं परम्पराएँ पूर्णतः वैज्ञानिक हैं।
- ज्योतिष, गणित, विज्ञान, धर्म, औषधि, संगीत आदि अनेक विषयों की जानकारी निम्न चार वेदों में प्राप्त होती है-

1. ऋग्वेद
2. यजुर्वेद
3. सामवेद
4. अथर्ववेद



INDORE



WISHTI VIDEO

॥ उपनिषद ॥



INDORE

- उपनिषद का शाब्दिक अर्थ वह विद्या है जो गुरु के समीप बैठ कर एकांत में सीखी जाती है।



- इन्हें वेदांत भी कहते हैं।

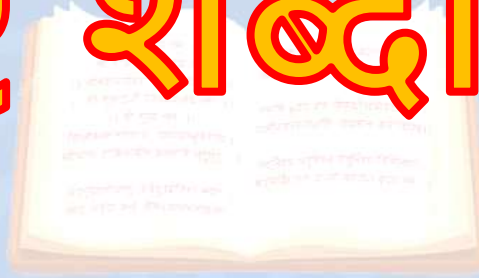
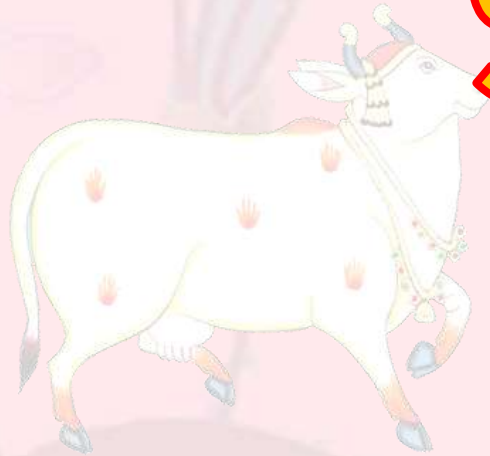
- कुल **108** उपनिषद हैं और सभी वेदों से जुड़े हुए हैं।

- आदर्श राष्ट्रीय वाक्य "**सत्यमेव जयते**" उपनिषद से लिया गया है।

INDORE

DIVYA PUSHTI VIDYAPEETH

पुष्टि शब्दावली



INDORE

शुक्लपक्षः

- पूर्णिमा के पहले के 15 दिनों को शुक्लपक्ष कहते हैं।

कृष्णपक्षः

- अमावस्या के पहले के 15 दिनों को कृष्णपक्ष कहते हैं।



आश्रय का पद

दृढ़ इन चरणन केरो भरोसो, दृढ़ इन चरणन केरो ।
श्री वल्लभ नख चंद्र छटा बिन, सब जग मांझ अंधेरो ॥
साधन और नहीं या कलि में, जासों होत निवेरो ॥
सूर कहा कहे, द्विविध आंधरो, बिना मोल को चेरो ॥
दृढ़ इन चरणन केरो भरोसो, दृढ़ इन चरणन केरो ।